हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार 1 जून 2026

11 किसान-मजदूर पंचायत को लेकर किसानों ने चलाया जनसंपर्क

12 भीषण गर्मी ने बढ़ाई चिंता : खेतों में सूख रही नमी...

हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

60-65 वर्ष की आयु वाले मौजूदा लाइसेंसधारियों के डिपो नहीं होंगे रद्द, सरकार के नए नियम केवल नए डिपो धारकों पर ही होंगे लागू

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

राशन डिपो धारकों के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण राहत प्रदान करते हुए स्पष्ट किया है कि सरकार द्वारा हाल ही में निर्धारित की गई आयु सीमा का प्रभाव पहले से कार्यरत डिपो धारकों पर नहीं पड़ेगा। अदालत के इस फैसले के बाद फतेहाबाद जिले के 46 ऐसे डिपो धारकों को राहत मिली है, जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है। जिनके लाइसेंस पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे थे। दरअसल, जिला में 318 राशन डिपो चल रहे हैं। हरियाणा सरकार ने अप्रैल मास में राशन डिपो लाइसेंस संबंधी नियमों में संशोधन करते हुए आयु सीमा निर्धारित की थी। नए प्रावधानों के अनुसार 60 वर्ष की आयु के बाद लाइसेंस नवीनीकरण पर रोक तथा विशेष परिस्थितियों में अधिकतम 65 वर्ष तक विस्तार का प्रावधान किया गया था। इस निर्णय के बाद प्रदेशभर के डिपो धारकों में चिंता बढ़ गई थी और कई संगठनों ने इसे अदालत में चुनौती दी थी।

जिले में 318 राशन डिपो, 46 संचालकों की उम्र 60 वर्ष से अधिक

नई आयु सीमा के आधार पर हटाना अनुचित

सुनवाई के दौरान डिपो धारकों की ओर से दलील दी गई कि वर्षों से राशन वितरण कर रहे अनुभवी लाइसेंसधारियों को अचानक नई आयु सीमा के आधार पर हटाना अनुचित होगा। इस पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने अदालत को बताया कि सरकार का उद्देश्य पहले से कार्यरत डिपो धारकों को हटाना नहीं है, बल्कि भविष्य में जारी होने वाले नए लाइसेंसों के लिए पात्रता शर्तें तय करना है। अदालत ने विभाग के इस पक्ष को रिकॉर्ड पर लेते हुए स्पष्ट किया कि नई आयु सीमा केवल नए डिपो आवंटन पर लागू होगी। वर्तमान में कार्यरत डिपो धारकों के लाइसेंस केवल आयु के आधार पर रद्द नहीं किए जा सकते।

फतेहाबाद। राशन डिपो पर लगी लोगों की लाइन। फोटो: हरिभूमि

मई में शुरू हुई थी कार्रवाई की प्रक्रिया

विभागीय सूत्रों के अनुसार मई माह में नए नियमों का हवाला देते हुए 65 वर्ष से अधिक आयु वाले कुछ डिपो धारकों के विरुद्ध कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी गई थी। कई स्थानों पर राशन आपूर्ति रोकने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई थी। हालांकि फतेहाबाद में यह कार्रवाई पूरी तरह लागू नहीं हो सकी। विभागीय स्तर पर प्रशासनिक कारणों और प्रक्रियागत देरी के चलते अधिकांश डिपो धारकों की राशन सप्लाई पूर्ववत जारी रही। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो गई है।

भविष्य में 65 वर्ष से अधिक आयु वालों को नहीं मिलेंगे नए डिपो

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के अनुसार अदालत के आदेश के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि वर्तमान डिपो धारकों को हटाया नहीं जाएगा। हालांकि भविष्य में जारी होने वाले नए लाइसेंसों के लिए आयु संबंधी शर्तें लागू रहेंगी। विभाग का कहना है कि नए डिपो आवंटन में 65 वर्ष से अधिक आयु के आवेदकों को पात्र नहीं माना जाएगा। इसका उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली में दीर्घकालिक संचालन और प्रशासनिक दक्षता सुनिश्चित करना है।

46 डिपो धारकों पर लटक रही थी कार्रवाई की तलवार

फतेहाबाद जिले में 318 डिपोधारकों में से करीब 46 राशन डिपो धारक ऐसे हैं जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक हो चुकी है। विभागीय नियमों के बाद इन डिपो धारकों में अपने लाइसेंस को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। कुछ मामलों में जून माह से राशन आपूर्ति रोकने और डिपो रद्द करने की चर्चा भी शुरू हो गई थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब इन डिपो धारकों को राहत मिल गई है।

क्या बोले अधिकारी

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर राजपाल पंवार ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार वर्तमान में कार्यरत डिपो धारकों के लाइसेंस आयु सीमा के आधार पर समाप्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नई आयु सीमा केवल भविष्य में बनने वाले नए डिपो पर लागू होगी।

खबर संक्षेप

अवैध देसी शराब के साथ एक आरोपी काबू

फतेहाबाद। अवैध शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए थाना सदर टोहाना पुलिस ने फतेहपुरी निवासी प्रगट उर्फ काला को काबू किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 15 बोतल अवैध देसी शराब बरामद की है। थाना सदर टोहाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त और अपराध रोकथाम के सिलसिले में डेरा बाबा नंदपुरी के पास मौजूद थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

हेरोइन सहित तस्कर को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। सीआईए रतिया पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फतेहाबाद शहर क्षेत्र से एक युवक को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान अहलीसदर निवासी रवि कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 11.09 ग्राम हेरोइन बरामद की है।

देसी पिस्तौल और कारतूस सहित युवक को पकड़ा

फतेहाबाद। अवैध हथियार रखने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना जाखल पुलिस ने आरोपी युवक के साथ-साथ उसे हथियार उपलब्ध करवाने वाले मुख्य सप्लायर को भी गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान तलवाड़ा निवासी करण और मुख्य सप्लायर राम सिंह उर्फ राजू निवासी तलवाड़ा के रूप में हुई है।

महिला से छीना-झपटी के मामले में आरोपी काबू

रतिया। बस अड्डे पर महिला से हुई छीना-झपटी के मामले को सुलझाते हुए थाना सदर रतिया पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी जसप्रीत सिंह पंजाब के मानसा जिले के गांव गुरकनी का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 50 हजार रुपये की नगदी और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है।

पशुपालक बोले : दूध बेचें या पशुओं का पेट भरें, हरा चारा भी हुआ महंगा

चारे की महंगाई ने तोड़ी पशुपालकों की कमर, तूड़ी 850 रुपये क्विंटल पहुंची

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले में पशुपालकों पर चारे की महंगाई की दोहरी मार पड़ रही है। गेहूं की कटाई खत्म होने के कुछ ही सप्ताह बाद तूड़ी और हरे चारे के दामों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी ने डेयरी व्यवसाय की कमर तोड़कर रख दी है। हालात ऐसे बन गए हैं कि पशुपालकों के सामने अब सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि दूध बेचकर घर चलाएं या पशुओं के लिए चारा खरीदें। एक माह पहले तक 300 रुपये प्रति क्विंटल के आसपास बिकने वाली तूड़ी अब बढ़कर 750 से 850 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई है। वहीं हरे चारे के दाम भी 4 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 6 रुपये प्रति किलो हो गए हैं। लगातार बढ़ रही लागत ने छोटे और मध्यम पशुपालकों की चिंता बढ़ा दी है। फतेहाबाद की नई सब्जी मंडी स्थित भूसा मंडी में इन दिनों तूड़ी के दाम लगातार चढ़ रहे हैं। पशुपालकों का कहना है कि हर साल गेहूं की कटाई के बाद कुछ समय तक चारे के भाव सामान्य बने रहते थे, लेकिन इस बार स्थिति अलग है। मांग बढ़ने और उपलब्धता सीमित होने के कारण भाव लगातार ऊपर जा रहे हैं।

पांच साल में जिले से 26 हजार भैंसें हुईं कम

फतेहाबाद। खेतों से तूड़ी भरते मजदूर। फोटो: हरिभूमि

तथ्य एक नजर में

- एक माह पहले तूड़ी का भाव: 300 रुपये प्रति क्विंटल
- वर्तमान भाव : 750 से 850 रुपये प्रति क्विंटल
- हरा चारा 4 से बढ़कर 6 रुपये प्रति किलो
- पांच साल में जिले में 26 हजार भैंसें कम हुईं
- हजारों परिवारों की आजीविका पशुपालन पर निर्भर

हरे चारे ने भी बढ़ाई मुश्किल

सूखे चारे के साथ-साथ हरे चारे की कीमतों में भी तेज उछाल आया है। पहले जो हरा चारा 4 रुपये प्रति किलो तक आसानी से मिल जाता था, वह अब 6 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। यानी हरे चारे का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार में मांग लगातार बढ़ रही है, जबकि आपूर्ति सीमित है। यही कारण है कि आने वाले दिनों में चारे के दामों में और वृद्धि की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

डेयरी कारोबार पर मंडराने लगा संकट

पशुपालन विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार बढ़ती लागत के कारण छोटे डेयरी संचालकों के लिए व्यवसाय चलाना मुश्किल होता जा रहा है। कई पशुपालक पशुओं की संख्या कम करने या उन्हें बेचने पर विचार कर रहे हैं। यदि यही स्थिति जारी रही तो इसका असर दूध उत्पादन के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है। जिले के हजारों परिवार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से पशुपालन पर निर्भर हैं। ऐसे में चारे की बढ़ती कीमतें केवल पशुपालकों को नहीं, बल्कि पूरे ग्रामीण आर्थिक ढांचे की चिंता बनती जा रही हैं। पशुपालकों ने सरकार से चारे और तूड़ी की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द राहत नहीं मिली तो छोटे पशुपालकों के लिए डेयरी व्यवसाय जारी रखना मुश्किल हो जाएगा। चारे की बढ़ती महंगाई ने जिले के पशुपालकों को ऐसे मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां पशुपालन अब रोजगार कम और संघर्ष अधिक नजर आने लगा है।

दूध की कमाई चारे में ही हो रही खर्च

ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालकों का कहना है कि पशुओं को पालना दिन-प्रतिदिन महंगा होता जा रहा है। एक दुधारू भैंस पर रोजाना सूखा चारा, हरा चारा, दाना, खल और दवाइयों का खर्च लगातार बढ़ रहा है, जबकि दूध के दाम उसी अनुपात में नहीं बढ़े हैं। पशुपालकों का कहना है कि पहले डेयरी व्यवसाय से परिवार का खर्च निकल जाता था, लेकिन अब दूध से होने वाली आय का बड़ा हिस्सा केवल पशुओं के चारे पर ही खर्च हो जाता है। ऐसे में मुनाफा लगातार घट रहा है और कई छोटे पशुपालक आर्थिक दबाव महसूस कर रहे हैं।

पशुओं की संख्या घटने लगी, आंकड़े दे रहे संकेत

चारे की बढ़ती कीमतों और घटते मुनाफे का असर अब जिले के पशुपालन क्षेत्र पर भी दिखाई देने लगा है। पशुपालन विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2019 में जिले में भैंसों की संख्या करीब 2 लाख 34 हजार थी। वर्ष 2025 की गणना में यह संख्या घटकर लगभग 2 लाख 8 हजार रह गई है। यानी पांच वर्षों में जिले से करीब 26 हजार भैंसें कम हो चुकी हैं।

भाखड़ा नहर में गिरे युवक का शव 3 दिन बाद बरामद

- बैजलपुर के पास कार सहित नहर में गिरा था युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले के भूना क्षेत्र के गांव बैजलपुर के पास भाखड़ा नहर में कार सहित गिरे 18 वर्षीय युवक राहुल उर्फ धोनी का शव रविवार सुबह बरामद कर लिया गया है। घटना के करीब तीन दिन बाद युवक का शव घटनास्थल से करीब 10 किलोमीटर दूर डुमा वाले पुल के पास से मिला। तेज बहाव के कारण शव तीन पुलों को क्रॉस कर आगे निकल गया था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भिजवा दिया है, जिसके बाद रविवार शाम तक उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार, भूना के वार्ड नंबर 13 निवासी राहुल उर्फ धोनी गुरुवार दोपहर बाद अपनी स्विफ्ट डिजायर कार लेकर घर से निकला था। वह बैजलपुर के पास भाखड़ा और सिद्धमुख नहर के बीच कच्चे रास्ते पर था, तभी अचानक कार अनियंत्रित होकर भाखड़ा नहर में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, राहुल ने कार से बाहर निकलकर खुद को बचाने का प्रयास भी किया, लेकिन नहर के पानी का बहाव तेज होने के कारण वह संभल नहीं पाया और डूब गया। हादसे की सूचना मिलते ही भूना थाना पुलिस और भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद कार को तो नहर से बाहर निकाल लिया गया था, लेकिन राहुल का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद लगातार तीन दिनों तक नहर में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसके बाद आज सुबह सफलता मिली।

मृतक युवक राहुल।

परिवार में सबसे छोटा था राहुल

मृतक राहुल भूना में ही एक हेयर सैलून पर काम सीख रहा था। वह अपने तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था। उसके पिता महेंद्र सिंह मजदूरी का काम करते हैं। परिवार में राहुल से बड़ा एक भाई नसीब और एक शादीशुदा बहन है। राहुल के दादा रामकुमार सरकारी चपरासी के पद से सेवानिवृत्त हैं। इस हादसे के बाद से पूरे परिवार और इलाके में शोक की लहर है। इस मामले में भूना थाना प्रभारी ओमप्रकाश का कहना है कि भाखड़ा नहर में डूबे युवक राहुल का शव बरामद कर लिया गया है। शव को पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया के लिए नागरिक अस्पताल भेजा गया है। परिजनों के बयानों के आधार पर आगामी कानूनी कार्रवाई की जा रही है और पोस्टमॉर्टम के बाद शव वारिसों को सौंप दिया जाएगा।

फेसबुक आईडी हैक कर परिचित के नाम पर 4.55 लाख की ठगी करने वाला उत्तराखंड से गिरफ्तार

फतेहाबाद। विदेश में रह रहे परिचित के नाम पर फेसबुक आईडी हैक कर लाखों रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी गुलवेस अंसारी उत्तराखंड के जिला बाजपुर के गांव मुंडिया पिस्तौर का रहने वाला है। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ और आगामी कानूनी कार्रवाई कर रही है। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राहुल देव ने बताया कि दमकौरा निवासी भगत सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसका एक परिचित अमेरिका में रहता है। 14 जुलाई 2025 को उसके परिचित की फेसबुक आईडी से पैसों की तत्काल जरूरत का मैसेज आया। इसके बाद व्हाट्सएप कॉल और क्यूआर कोड के माध्यम से अलग-अलग किश्तों में कुल 4 लाख 55 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए गए। बाद में संपर्क करने पर पता चला कि परिचित की आईडी हैक हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी को उत्तराखंड से काबू किया।

सोमनाथ दर्शन के लिए 8 जून को रवाना होगी विशेष ट्रेन, 6 जून तक कर सकते हैं आवेदन

फतेहाबाद। हरियाणा सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक एवं आध्यात्मिक यात्राओं का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आगामी 8 जून को पवित्र तीर्थ स्थल सोमनाथ मंदिर के लिए एक विशेष ट्रेन हरियाणा से रवाना की जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस विशेष ट्रेन को कुरुक्षेत्र से हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। जिला सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 1000 वर्ष की अखंड आस्था एवं पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष यात्रा के माध्यम से प्रदेश के पात्र बुजुर्ग श्रद्धालुओं को सोमनाथ मंदिर के दर्शन करवाए जाएंगे। यह धार्मिक यात्रा पूरी तरह निःशुल्क होगी तथा श्रद्धालुओं को आवास, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सरकार द्वारा उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक पात्र श्रद्धालु 6 जून तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया सरल हरियाणा पोर्टल के माध्यम से पूरी की जाएगी तथा लाभार्थियों का चयन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। यात्रा का समस्त खर्च हरियाणा सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। डीआईपीआरएलओ ने बताया कि यात्रा का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए तथा परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम होनी चाहिए।

लाखों की हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

- थेहड़ मोहल्ला क्षेत्र में कार्रवाई, 25 ग्राम नशा बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

पुलिस ने जिले क्षेत्र से एक नशा तस्कर को लाखों रुपये की हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी रविंद्र सिंह ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान सिरसा निवासी शेखर के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि पुलिस टीम नियमित गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के लिए थेहड़ मोहल्ला क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर अचानक वापस मुड़कर भागने की कोशिश करने लगा। युवक की गतिविधियों को देखते हुए पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की और शक के आधार पर तलाशी ली।

तलाशी के दौरान युवक के कब्जे से लाखों रुपए की 25 ग्राम हेरोइन बरामद हुई जिस पर पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ शहर थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

हेरोइन तस्कर पुलिस गिरफ्त में।

मत्स्य पालक किसान लगाएं सोलर पंप सेट, मिलेगी सब्सिडी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

मत्स्य पालन विभाग हरियाणा द्वारा संचालित सघन मत्स्य विकास कार्यक्रम के तहत मत्स्य एवं झींगा पालन को बढ़ावा देने के लिए सौर प्रणाली लगाने पर किसानों को अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य मत्स्य पालकों की उत्पादन लागत कम करना, ऊर्जा की बचत करना तथा आधुनिक तकनीकों के माध्यम से मत्स्य व्यवसाय को अधिक लाभकारी बनाना है। योजना के तहत सोलर सिस्टम स्थापित करने पर कुल परियोजना लागत का 60 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा। अधिकतम 5 लाख रुपए प्रति इकाई अथवा 15 लाख रुपए प्रति 30 किलोवाट तक की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। यह अनुदान मत्स्य पालन गतिविधियों जैसे आरएएस, बायो-फ्लॉक, झींगा एवं मछली पालन, प्रसंस्करण संयंत्र, चारा संयंत्र तथा अन्य मत्स्य आधारित औद्योगिक परियोजनाओं के लिए उपलब्ध होगा। जिला मत्स्य अधिकारी जगदीश चंद्र ने बताया कि यह योजना किसानों और मत्स्य पालकों को सौर ऊर्जा आधारित आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी, जिससे बिजली पर निर्भरता कम होगी।

कुल परियोजना लागत का 60 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा

योजना व्यापारियों के लिए सरकार की राहतकारी पहल, 28 सितंबर तक मिलेगा सुनहरा अवसर

एकमुश्त निपटान योजना आज से शुरू : पुराने कर विवादों एवं बकाया मामलों के निपटान पर मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

हरियाणा सरकार द्वारा व्यापारियों एवं करदाताओं को लंबे समय से लंबित कर विवादों तथा बकाया कर मामलों से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से एकमुश्त निपटान योजना -2026 लागू की गई है। यह योजना 1 जून से 28 सितंबर 2026 तक 120 दिनों के लिए प्रभावी रहेगी। यह योजना व्यापारियों को पुराने कर बकायों के निपटान का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी तथा वर्षों से लंबित मामलों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त आनंद कुमार ने बताया कि वर्ष 2025 में लागू की गई एकमुश्त निपटान योजना को व्यापारियों का अभूतपूर्व समर्थन मिला था। प्रदेशभर में 1 लाख 15 हजार 223 से अधिक व्यापारियों ने योजना का लाभ उठाकर अपने लंबित मामलों का निपटान कराया। योजना की इसी सफलता को देखते हुए राज्य सरकार ने इसे पुनः लागू करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य व्यापारियों को अनावश्यक मुकदमेबाजी से राहत देना तथा कर प्रशासन को अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाना है।

ब्याज और जुर्माने में शत-प्रतिशत छूट का प्रावधान

डीईटीसी ने बताया कि अन्य छह कर अधिनियमों के अंतर्गत बकाया कर राशि के आधार पर निम्नानुसार राहत प्रदान की जाएगी। 1 लाख रुपये तक कर में ब्याज एवं जुर्माने में 100 प्रतिशत छूट, 1 लाख रुपये से अधिक तथा 10 लाख रुपये तक के कर राशि में 60 प्रतिशत छूट, 10 लाख रुपये से अधिक तथा 1 करोड़ रुपये तक के कर राशि में 50 प्रतिशत छूट, 1 करोड़ रुपये से अधिक तथा 10 करोड़ रुपये तक कर राशि में 40 प्रतिशत छूट, 10 करोड़ रुपये से अधिक तथा 30 करोड़ रुपये तक में कर राशि में 35 प्रतिशत छूट, 30 करोड़ रुपये से अधिक तथा 60 करोड़ रुपये तक के कर राशि में 30 प्रतिशत छूट तथा 60 करोड़ रुपये से अधिक कर राशि पर कोई छूट नहीं मिलेगी। उन्होंने बताया कि इन सभी श्रेणियों में ब्याज एवं जुर्माने की राशि में शत-प्रतिशत राहत का प्रावधान किया गया है।

छोटे व्यापारियों को मिलेगी सबसे बड़ी राहत

डीईटीसी ने बताया कि योजना के तहत यदि किसी करदाता पर किसी संबंधित अधिनियम के अंतर्गत किसी एक वर्ष में एक लाख रुपये तक का कर बकाया है, तो उसे योजना में आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। ऐसे मामलों में कर, ब्याज एवं जुर्माने की राशि पूर्ण रूप से माफ कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह प्रावधान विशेष रूप से छोटे एवं मध्यम व्यापारियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है। आनंद कुमार ने बताया कि हरियाणा सामान्य बिक्री कर अधिनियम, 1973 के अंतर्गत लंबित मामलों के लिए सरकार ने विशेष रियायत का प्रावधान किया है।अधिनियम के अंतर्गत एक लाख रुपये तक के बकाया मामलों में कर, ब्याज एवं जुर्माने में 100% छूट दी जाएगी, जबकि एक लाख रुपये से अधिक के मामलों में कर राशि पर 70 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।

किस्तों में मिलेगी भुगतान की सुविधा

व्यापारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने निपटान राशि के भुगतान के लिए किस्तों की व्यवस्था भी की है। पांच लाख रुपये तक की निपटान राशि का भुगतान एकमुश्त करना होगा। पांच लाख रुपये से अधिक तथा 25 लाख रुपये तक की राशि दो समान किस्तों में जमा कराई जा सकेगी, जबकि 25 लाख रुपये से अधिक की राशि तीन किस्तों में जमा करने की सुविधा उपलब्ध होगी।

जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।
- मुंशी प्रेमचंद

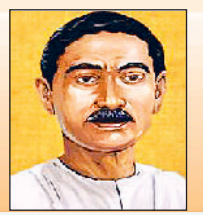

कहानी

पवन गहलोत

आंखों की जलन

एक पल के लिए उसने सोचा कि काश वह उसे बीड़ी पीने के लिए मना कर देता, क्योंकि जब से उसने वह धुआं झेला है, तब से उसे आंखों में लगातार जलन महसूस हो रही है।

स्कूल जाने वाले बच्चे जब उसकी तरफ देखते तो वह भी मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखता। कभी-कभार कोई बच्चा जब उसकी ओर हाथ हिलाता तो वह भी हाथ हिलाते हुए आत्मिक संतुष्टि से भर जाता।

जनवरी महीने की ठिठुरती ठण्ड में सुबह पांच बजे ही वह शहर के चौराहे के पुल के नीचे खम्भे के पास अपने ठिकाने पर पहुंच गया। वहां पहुंचने के बाद जब वह अपने कंधे पर टंगा औजारों का थैला जमीन पर रखने के लिए झुका तो जमीन पर बहुत सारे बीड़ी के टुकड़ों और माचिस की जली हुई तीलियों को देखकर वह अचरज में पड़ गया। अपने कंधों को उचकाते हुए वह सोचने लगा कि ये इतने सारे बीड़ी के टुकड़े आखिर यहां पर आए कैसे। दिमाग पर काफी जोर डालने के बाद भी वह कुछ भी याद नहीं कर पा रहा था। बीड़ी के टुकड़ों और माचिस की जली हुई तीलियों के अलावा वहां पर प्लास्टिक की कुछ थैलियां भी इकट्ठा हो गई थी। ऐसा शायद पिछली रात आंधी आने के कारण हुआ होगा - वह अनुमान लगाने लगा।

अपने ठिकाने पर फैले उस ढेर सारे कूड़े को देखकर वह एक पल के लिए हौले से मुस्कुराया और धीमे-धीमे कदमों से सड़क के किनारे की ओर चल दिया। वहां पर एक दुकान के सामने नाली के ढक्कन की ओट में रखी एक टूटी-सी झाड़ू को उठाया और फिर से धीमे-धीमे कदमों से चलते हुए अपने ठिकाने पर वापस आ गया। असल में कुछ तिनकों का गुच्छा भर वह झाड़ू खुद कूड़े जैसी लग रही थी। लेकिन उसने उसे कई दिनों से कूड़ा साफ करने के लिए संभालकर रखा हुआ था। उस टूटी-सी झाड़ू से जमीन की सफाई करने में उसे लगभग पैंतीस-चालीस मिनट लग गए। भले ही देरी से हो, लेकिन लगातार जुटे रहने से काम आखिर हो ही जाता है। झाड़ू लगाने के बाद इकट्ठे हुए कचरे को उठाकर वह सड़क के दूसरे किनारे पर रखे कूड़ेदान में डाल आया। बुढ़ापे में कमजोर शरीर होने के कारण वह काफी थक गया था। क्योंकि उसकी दुकानदारी का समय शुरू होने वाला था इसलिए सफाई करने के बाद उसने सोचा कि अगर वह झाड़ू को वापस सड़क के किनारे दुकान के सामने नाली के ढक्कन की ओट में रखने जाएगा तो उसे काफी समय लग जाएगा। इसलिए उसने उस तिनकों वाली झाड़ू को वहीं खम्भे के पास ही रख दिया। उसका कुर्ता पसीने से लगभग पूरा भीग चुका था। अपने शरीर से चिपके पसीने से तर कुर्ते को उसने अपने सीने से थोड़ा ऊपर उठाया। जब उसमें से सुबह की ठण्डी-ठण्डी हवा गुजरी तो उसने थोड़ी राहत की सांस ली। इसके बाद अपनी मुड़ी हुई कमर पर दोनों हाथ रखकर उसे सीधा करने का प्रयास करने लगा। ऐसा करने से उसे थोड़ा-सा आराम मिलने का आभास हुआ। इसके बाद अपने थैले से उसने मोटे-से कपड़े का एक टुकड़ा निकाला और उसे वहीं खम्भे के साथ बिछा दिया।

इसके बाद अपने थैले से एक-एक करके औजारों और अन्य सामानों को निकाला और उन्हें वहीं पर ईंटों के बने हुए एक छोटे-से चबूतरे पर तरतीब के साथ खंभे से अपनी पीठ टिकाकर उस मोटे-से कपड़े के ऊपर बैठ गया। अपनी जूते मरम्मत एवं पॉलिश की दुकान सजाने के बाद उसने ऊपर आसमान की ओर देखना चाहा, लेकिन पुल होने की वजह से उसे आसमान नजर नहीं आया। वैसे तो वह एक व्यस्त चौराहा था, लेकिन अभी लोगों का आना-जाना शुरू नहीं हुआ था। वह बड़े शांत मन से ग्राहकों का इंतजार करने लगा। अपनी जगह पर बैठा वह सुबह-सुबह सड़क से गुजरने वाले लोगों को देख रहा था।

स्कूल जाने वाले बच्चे जब उसकी तरफ देखते तो वह भी मुस्कुराते हुए उनकी ओर देखता। कभी-कभार स्कूल की किसी बस में बैठा कोई बच्चा जब उसकी ओर हाथ हिलाता तो बदले में उसकी ओर हाथ हिलाते हुए वह आत्मिक संतुष्टि से भर जाता। कुछ ही देर में उसे अपनी आंखों में जलन-सी महसूस हुई। पिछले कुछ दिनों से उसकी आंखों में कुछ तकलीफ है। कब से और किस वजह से है, इस बारे में उसे कुछ भी नहीं पता था। वह बार-बार याद करने का प्रयास करता कि आखिर उसकी आंखों को हुआ क्या है, लेकिन काफी सोचने पर भी वह सही ढंग से कुछ भी याद नहीं कर पा रहा था। दिमाग पर ज्यादा जोर ना डालने की मंशा से उसने इस बारे में सोचना छोड़ दिया और फिर से ग्राहकों का इंतजार करने लगा। लेकिन मन भला शांत कैसे रह सकता है। हमेशा कुछ-न-कुछ सोचते रहना ही तो स्वभाव है मन का। विचारों की गलियों में घूमते हुए उसे कल वाले ग्राहक का ख्याल आया। कल उसके पास एक व्यक्ति अपने जूतों की मरम्मत करवाने के लिए आया था। वह बिल्कुल भी जल्दी में नहीं था। उसे याद आया कि जब उसने उससे पूछा कि जूते कितनी देर में वापस चाहिए, तब उसने कहा था कि काम सही होना चाहिए, समय चाहे कितना भी लग जाए। इसके बाद जब तक वह उसके जूतों की मरम्मत करता रहा, तब तक वह लगातार बीड़ी पीता रहा। उसके बिल्कुल पास बैठे होने तथा हवा का रुख उसी की ओर होने के कारण बीड़ी का धुआं सीधे उसके चेहरे की ओर आ रहा था। अब क्योंकि वह ग्राहक था इसलिए उसने उसे कुछ नहीं कहा और चुपचाप उस तेज धुएं को झेलता रहा। एक पल के लिए उसने सोचा कि काश वह उसे बीड़ी पीने के लिए मना कर देता, क्योंकि जब से उसने वह धुआं झेला है, तब से उसे आंखों में लगातार जलन महसूस हो रही है। इसके साथ ही उसे सब कुछ धुंधला-सा नजर आने लगा है। फिर अगले ही पल उसके मन में ख्याल आया कि - नहीं ऐसा सोचना गलत है, ग्राहक भगवान होता है। हमें उसकी किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। विचारों के आकाश में विचरण हुए उसे पता ही नहीं चला कि कब सूरज ने अपनी किरणें धरती की ओर उछाल दी। उसने सोचा कि अब तो दिन चढ़ने लगा है कोई न कोई ग्राहक तो अब तक आ ही जाना चाहिए था। सुबह-सुबह अच्छा काम मिलने की मंशा से वह अपने ठिकाने पर सुबह जल्दी पहुंच जाता था, लेकिन अक्सर दोपहर तक भी उसको कोई ग्राहक नहीं मिलता। असल में अधिकतर लोगों को उसकी उम्र देख कर ऐसा लगता था कि वह अपने काम को सही ढंग से नहीं कर पाएगा।

सुबह के दस बज चुके थे। ग्राहकों के इंतजार में, अब तक कोई भी ग्राहक क्यों नहीं आया है, क्या सभी कंपनियां अच्छी गुणवत्ता के जूते बनाने लगी हैं या फिर आजकल लोगों ने जूतों की मरम्मत करवाना ही छोड़ दिया है - इसी तरह के तमाम विचारों की उधेड़बुन उसके मन में चलती रही। कुछ देर बाद जब उसे थोड़ी प्यास लगी तो वह पानी पीने के लिए अपनी जगह से उठ खड़ा हुआ और कुछ ही दूरी पर सड़क के किनारे लगी टंकी के पास जा पहुंचा। अपनी प्यास बुझाने के बाद लौटते समय वह फिर से ख्यालों की दुनिया में खो गया। उसे याद आया कि लगभग दो हफ्ते पहले जब वह पानी पीकर लौट रहा था तो उसे वहां पर एक मक्की बेचने वाला उदास खड़ा दिखाई दिया। पूछने पर उसने बताया कि पुलिस वाले ने सड़क के किनारे खड़ा होने पर उस पर जुर्माना लगा दिया था। अब जगह बदलने पर उसकी दुकानदारी में घाटा होगा। इस पर उसने बड़े अधिकारपूर्वक उससे अपने ठिकाने के पास खड़ा होने के लिए कह दिया था। उसने उसे बताया कि जिस खंबे के पास वह अपना ठिकाना बनाए हुए है, उसके दूसरी ओर की जगह काफी अच्छी है। वहां पर वह आसानी से खड़ा हो सकता है और वहां उसे कोई परेशान भी नहीं करेगा।

उसकी बात मानकर वह मक्की बेचने वाला उसके पास आ गया और खंभे के दूसरी ओर उसने अपना ठिकाना बना लिया। वह पूरे दिन मक्की बेचता। ग्राहक उससे हमेशा गर्म मक्की की मांग करते। ग्राहकों की मांग पर वह अपनी छोटी-सी भट्ठी पर मक्की गर्म करने लगता। जब वह मक्की को भट्ठी पर गर्म करता तो भट्ठी से उठने वाला धुआं खंभे के दूसरी ओर उड़ने लगता। पानी पीने के बाद अपने ठिकाने पर लौटते समय उसने खंभे की दूसरी ओर देखा तो वहां पर वह मक्की बेचने वाला अभी तक भी नहीं पहुंचा था। वह अपने ठिकाने पर आकर बैठा ही था कि उसे अपनी आंखों में फिर से जलन महसूस हुई। अपनी आंखों को मलते हुए वह फिर से विचारों की दुनिया में खो गया।

उधर वह अपने विचारों में खोया हुआ था, इधर वह मक्की बेचने वाला अपने नए ठिकाने पर पहुंच चुका था। कुछ ही देर में उसे एक व्यक्ति उसी की ओर आता हुआ दिखाई दिया। उस व्यक्ति को उम्मीद भरी नजरों से निहारते हुए उसने जूते मरम्मत के औजारों को देखकर मन ही मन सोचा कि - चलो बोहनी तो हुई। अगर दिन भर में आठ-दस ग्राहक भी आ जाएं तो मेरा काम आसानी से चल जाए। सोचते हुए वह जूते मरम्मत के औजारों की ओर देखने लगा। लेकिन उसे सब बहुत आश्चर्य हुआ, जब वह आदमी उसकी ओर ना ठहरकर उस मक्की वाले के पास जाकर रुक गया। उसने उस मक्की वाले से एक ताजा भुनी हुई मक्की मांगी। उसने मक्की को छोटी-सी भट्ठी पर रखा और भट्ठी को सुलगाने लगा। भट्ठी से उड़ता हुआ धुआं खंभे के दूसरी ओर पहुंच रहा था।

खंभे के दूसरी ओर बैठा वह बुजुर्ग व्यक्ति अपनी आंखों को मलते हुए सोच रहा था - चलो कोई बात नहीं, मेरी न सही कम से कम साथ वाले की बोहनी तो हुई। धुएं के कारण उसकी आंखों की जलन बढ़ने लगी थी। अपनी आंखों को मलते हुए वह याद करने का प्रयास करते हुए मन ही मन बुदबुदा रहा था - 'समझ में नहीं आ रहा कि आंखों में यह कम्बख्त जलन आखिर कब से होने लगी है....'

पुस्तक समीक्षा

पठनीय है डिजिटल पेरेंट्स परफेक्ट नहीं, प्रेजेंट बनें

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

पुस्तक 'डिजिटल पेरेंट्स : परफेक्ट नहीं, प्रेजेंट बनें-के लेखक मूल रूप से एक शिक्षक हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अपने गहरे अनुभव के आधार पर , वे आधुनिक पेरेंटिंग की चुनौतियों को करीब से समझते हैं। लेखक का उद्देश्य माता- पिता और बच्चों के उस टूटते हुए पुल को फिर से बनाना है, जिसे डिजिटल दुनिया ने कमजोर कर दिया है। यह पुस्तक 10 डिग्री की डिजिटल सुरंग से 180 डिग्री के खुले आसमान तक की पेरेंटिंग पर ध्यान आकर्षित करती है। ड्रीम बुक पब्लिशिंग द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक आजकल के युवाओं की कृतिम एल्गोरिदम पर प्रकाश डालती है। लेखक के अनुसार पंद्रह सेकंड की रील्स ने युवाओं की एकाग्रता का अकाल ला दिया है। सोशल मीडियाके हजारों मित्रों के बीच भी हमारा बच्चा एक वास्तविक अकेलेपन से जूझ रहा है। इस पुस्तक को मुख्य रूप से तीन भागों में बांटा गया है। प्रथम- 10 डिग्री डिजिटल टनल, द्वितीय- 180 डिग्री ब्रांड विजन और तृतीय 10 डिग्री की डिजिटल सुरंग से 180 डिग्री ब्रांड विजन तक। यह किताब पेरेंटिंग की कोई रूरूलबुकर नहीं है, क्योंकि सच तो यह है किपरफेक्ट पेरेंट जैसी कोई चीज इस दुनिया में होती ही नहीं है ।

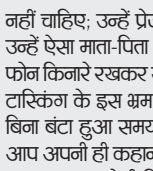

संदीप विद्यार्थी

लेखक

यह किताब एक जागृति है। यह इस बात की याद दिलाती है कि हमारे बच्चों को परफेक्ट माता-पिता नहीं चाहिए; उन्हें प्रेजेंट (उपस्थित) माता-पिता चाहिए। उन्हें ऐसा माता-पिता चाहिए जो डिनर टेबल पर अपना फोन किनारे रखकर उनकी आँखों में देख सके, जो मल्टी टास्किंग के इस भ्रम से बाहर निकलकर उन्हें अपना बिना बंटा हुआ समय दे सके। इस किताब के पन्नों में आप अपनी ही कहानी पाएंगे। यह पुस्तक आपको सोच पर मजबूर करेगी कि कहीं आपकी परवरिश आपके अपने 'डर' से परे नहीं है? यह आपको सिखाएगी कि कैसे बच्चों को छोटे-छोटे संघर्ष करने दें ताकि उनका असली आत्म-सम्मान विकसित हो सके। पुस्तक में लेखक ने वर्तमान में प्रचलित अंग्रेजी के आम बोलचाल वाले शब्दों का इस्तेमाल किया है। ऐसा शायद पाठकों की सुविधा के लिए ही किया गया है ताकि वर्तमान पीढ़ी हिन्दी के कठिन और बोझिल शब्दों के अर्थ के फेर में न पड़े और आसानी से लेखन के मर्म को समझ पाए। पुस्तक करीब 240 पृष्ठों में है। इसके बावजूद पाठकों को बांधे रखने में सक्षम जान पड़ती है। हर विषय अभिभावकों और न्यू जेनरेशन के लिए एक मार्गदर्शिका का काम करता है और उन्हें अपनी सोच में बदलाव लाने को प्रेरित करता है। कुल मिलाकर लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय बन पड़ा है।

कवि कॉर्नर

कविता

आनंद शर्मा

उसकी मोहब्बत

उसकी मोहब्बत
तेज बारिश-सी
और मैं...
शहरों की सड़कों-सा
डूबता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
कुटिल राजनीति-सी
और मैं...
भोली जनता-सा लुटता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
गंगा नदी-सी,
और मैं...
कूड़ा करकट समाता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
प्रगति-सी
और मैं...
पेड़ों-सा कटता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
महंगाई-सी
और मैं...
गरीब का बजट सिकुड़ता ही रहा।

उसकी मोहब्बत
आधुनिकता-सी,
और मैं...
संस्कारों-सा मरता ही रहा।

कविता

सपना

जो चाहा, वो मिला नहीं

जो चाहा वो मिला नहीं ।
जो मिला वो चाहा नहीं ।।

अजीब सी कश्मकश है ये जिंदगी ।
कुछ खोया भी नहीं और पाया भी नहीं ।।

ताउम्र गुजर गई समेटने में।
लेकिन जाएगा साथ कुछ भी नहीं ।।

न जाने कितनी उम्मीदें पालें हुए हैं सब ।
जबकि भरोसा अगले पल का भी नहीं ।।

जिस कल की सोच में आज डूबे हैं सब ।
उस कल मेंशायद हम हैंभी नहीं ।।

किस "मैं" के अहं में है इंसान ।
औक़ात जिसकी एक रत्ती बराबर भी नहीं ।।

गैस सिलेंडर अब नौकर नहीं, घर का दामाद

व्यंग्य

कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

पुराने जमाने में सिलेंडर रसोई के एक अंधेरे कोने में चुपचाप पड़ा रहता था। उसकी हैसियत घर के उस पुराने नौकर जैसी थी, जो बिना शिकायत किए सालों-साल सेवा करता रहता है। उस वक्त गृहिणियां उस पर पैर रखकर ऊंचे डिब्बे उतारती थीं या कभी-कभी उस पर बेलन पटककर अपनी नाराजगी जाहिर कर दिया करती थीं। लेकिन वक्त बदला और वक्त के साथ सिलेंडर की 'किस्मत' ऐसी चमकी कि आज वह रसोई का 'अन्नदाता' कम और ड्राइंग रूम का 'दामाद' ज्यादा नजर आने लगा है। उसकी कीमत और इज्जत अब उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां उसे 'रिफिल' कराते समय घर के बुजुर्ग वैसे ही भावुक हो जाते हैं, जैसे बिटिया की विदाई पर होते हैं।

विदाई की रस्म और स्वागत का उल्लास

जब सिलेंडर खाली होता है, तो घर के माहौल में एक अजीब सी 'अघोषित शोक सभा' छा जाती है। गृहिणी हिला-हिलाकर उसकी अंतिम सांसें चेक करती है और जब वह जवाब दे जाता है, तो घर का मुखिया उसे दरवाजे तक ऐसे छोड़ने जाता है, जैसे किसी प्रियजन को रेलवे स्टेशन पर विदा करने जा रहा हो। वहीं दूसरी ओर, जब नया 'भरा हुआ' सिलेंडर घर की दहलीज पर कदम रखता है, तो घर के बच्चों से लेकर बड़ों तक के चेहरे खिल जाते हैं। डिलीवरी वाले भैया का स्वागत किसी 'राजदूत' की तरह किया जाता है। उन्हें चाय-पानी के लिए ऐसे पूछा जाता है, मानो वह सिलेंडर नहीं बल्कि घर के लिए कोई बहुत बड़ा 'शुभ समाचार' लेकर आए हों। मोहल्ले वाले भी तिरछी नजरों से देखते हैं कि— 'वाह! इनके घर तो नया सिलेंडर आया है, जरूर कोई बड़ा हाथ मारा होगा।'

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 'तिजोरी' का मोह

आज के दौर में लोग सिलेंडर को किचन में नहीं, बल्कि उसे अपनी 'तिजोरी' या बेडरूम के पास रखते हैं। डर यह नहीं कि कोई उसे उठा ले जाएगा, डर यह है कि कहीं उसकी कीमती गैस 'लीक' होकर पड़ोसी की नाक तक न पहुंच जाए। पड़ोसी भी अब कम चालाक नहीं हैं। पहले वे खुशबू सूंघकर बताते थे कि— 'आज तो आपके घर शाही पनीर बना है।' लेकिन अब अगर गैस की हल्की सी गंध भी पड़ोस में चली जाए, तो घर का मालिक फौरन खिड़कियां बंद कर लेता है, कहीं पड़ोसी उस गंध के जरिए 'फ्री में' गैस का आनंद न ले ले। लोग अब सब्जी में तड़का लगाने से पहले घर के दरवाजे ऐसे बंद करते हैं, मानो कोई 'गोपनीय परमाणु परीक्षण' करने जा रहे हों। वह दिन अब दूर नहीं लगता जब शादियों में दहेज के रूप में 'फॉर्च्यूनर' या 'प्लॉट' की जगह '5 भरे हुए सिलेंडर' मांगे जाएंगे। मध्यम वर्ग के घरों में अब सिलेंडर ड्राइंग रूम के सोफे के बगल में सजाकर रखा जाने लगा है। मेहमान जब घर आते हैं, तो मेजबान गर्व से सिलेंडर की ओर इशारा करते हुए कहता है— 'देख रहे हैं? एकदम 'ब्रांड न्यू' और फुल रिफिल है! कल ही ब्लैक में... मेरा मतलब है, बड़ी सिफारिश के बाद मिला है।'

लोग अब सोने के गहनों की फोटो इंस्टाग्राम पर नहीं डालते, बल्कि भरे हुए सिलेंडर के साथ सेल्फी लेकर 'फीलिंग रिच' का स्टेटस लगाते हैं।

बजट में 'आग' लगाता मेहमान

निष्कर्ष यह है कि सिलेंडर अब सिर्फ रसोई की आग नहीं जलाता, बल्कि वह मध्यम वर्ग के मासिक बजट में भी 'आग' लगाता है। यह दुनिया का वह इकलौता मेहमान है जिसके घर आने पर 'खुशी' (खाना बनने की) और जेब खाली होने पर 'गम', दोनों एक साथ मिलते हैं। सिलेंडर की बढ़ती कीमत ने इसे एक ऐसी 'चल-अचल संपत्ति' बना दिया है, जिसे रिफिल कराना अब किसी निवेश से कम नहीं लगता।

आज का आम आदमी बस इसी दुआ में लगा रहता है कि- 'हे प्रभु! चाहे मेरी सेहत का मीटर धीमा चले, पर इस सिलेंडर की सुई जरा धीरे-धीरे नीचे गिरे।'

कुछ हटकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर में बनाएं करियर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन इंटीरियर डिजाइन (बी.डिजाइन इंटीरियर डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आंतरिक स्थानों (**Interior Spaces**) की सौंदर्यात्मक, कार्यात्मक और तकनीकी डिजाइनिंग की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः स्पेस प्लानिंग, फर्नीचर डिजाइन, इंटीरियर मटेरियल्स, लाइटिंग डिजाइन, कलर थ्योरी, बिल्डिंग सर्विसेज, 3**D** विजुअलाइजेशन, ऑटो**CAD**, सस्टेनेबल डिजाइन, वास्तु तत्व, इंटीरियर स्टाइलिंग और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

उद्योगों में महत्व

इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। आधुनिक घरों, कार्यालयों, होटल्स, मॉल्स, हॉस्पिटल्स में सौंदर्य, सुविधा और उपयोगिता का संतुलन इंटीरियर डिजाइनिंग के माध्यम से ही संभव होता है।

विशेषज्ञताएं

- रेजिडेंशियल इंटीरियर डिजाइन
- कमर्शियल एवं ऑफिस स्पेस डिजाइन
- फर्नीचर एवं प्रोडक्ट डिजाइन
- लाइटिंग डिजाइन
- एक्सहिबिशन एवं सेट डिजाइन
- हॉस्पिटैलिटी एवं होटल
- इंटीरियर डिजाइन
- सस्टेनेबल एवं ग्रीन इंटीरियर डिजाइन
- 3**D** विजुअलाइजेशन एवं रेंडरिंग
- रिटेल एवं शोरूम डिजाइन
- लैंडस्केप एवं स्पेस स्टाइलिंग
- लक्जरी इंटीरियर डिजाइन

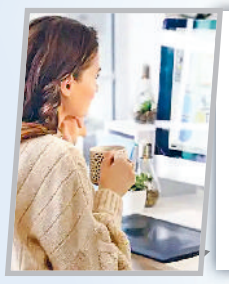

आवश्यक कौशल

सिर्फ डिग्री ही नहीं, बल्कि रचनात्मक दृष्टिकोण, तकनीकी डिजाइनिंग कौशल और व्यावहारिक अनुभव ही इंटीरियर डिजाइन उद्योग में सफलता का आधार बनते हैं। आज का इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजाइन उद्योग सौंदर्य, कार्यक्षमता और आधुनिक तकनीक के संतुलन पर आधारित है।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- सार्वजनिक निर्माण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विभाग
- स्मार्ट सिटी एवं सरकारी भवन परियोजनाएँ
- सार्वजनिक भवन डिजाइन एवं स्पेस प्लानिंग सहयोगी

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

इंटीरियर डिजाइन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग आज तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है। रियल एस्टेट कंपनियाँ, आर्किटेक्चर फर्म्स, डिजाइन स्टूडियो, होटल उद्योग और लक्जरी ब्रांड्स ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और तकनीकी दक्षता के साथ आधुनिक स्पेस विकसित कर सकें।

उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन – इंटीरियर एवं स्पेस डिजाइन
- एम.बी.ए. इन डिजाइन मैनेजमेंट
- फर्नीचर एवं प्रोडक्ट डिजाइन में विशेषज्ञता
- सस्टेनेबल एवं ग्रीन बिल्डिंग डिजाइन कार्यक्रम

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

सफल दिखने की दौड़ में खुश रहना भूल गए लोग

डॉ. रोहित बंसल

मोटिवेशनल स्पीकर

आजकल हर इंसान चाहता है कि बाकी सभी उसे सफल, धनवान और परफेक्ट समझें। अपनी असल जिंदगी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, वे अपनी 'ऑनलाइन इमेज' पर ज्यादा ध्यान देते हैं। कुछ लोग अपनी विदेश यात्रा या महंगी कार के बारे में बताते हैं तो दूसरे अपनी आलीशान जीवनशैली को दिखाते हैं। समाज का मानना हो गया है कि जितना अधिक आप दिखावा करेंगे, उतना अधिक आप सफल होंगे। हालांकि,सच्चाई इसके विपरीत है। बाहर से मुस्कुराते हुए चेहरे अंदर तनाव, मानसिक थकान और अकेलापन महसूस करते हैं। सफलता का पैमाना भी बदल गया है ,क्योंकि अधिक लोग इसे आर्थिक मापदंडों से देखने लगे हैं। लोग अपनी आवश्यकताओं को नजरअंदाज करते हैं और दूसरों को खुश करने के लिए जीते हैं। यही कारण है कि अधिक लोग अपने आप की तुलना दूसरों से करते हैं। लोग भूल जाते हैं कि सोशल मीडिया पूरी सच्चाई नहीं है। लोग खुशियों वाली बातें पोस्ट करते हैं। कोई भी उदास बातें नहीं पोस्ट करता। लदर्शक उस बनावटी 'खुशी' को महत्व देते हैं और दबाव महसूस करते हैं। इस मानसिक दबाव का सबसे ज्यादा बुरा असर युवाओं और बच्चों पर पड़ रहा है। वे सबसे बेहतर बनने की इच्छा रखते हैं। वे सोचते हैं कि यदि वे नया फोन खरीदते हैं या नाम ब्रांड कपड़े खरीदते हैं, तो उन्हें सफल माना जाएगा। जब लोग अपनी वास्तविक स्थिति को नियंत्रित नहीं कर पाते तो वो असुरक्षित हो जाते है। वे बनावटी खुशी दिखाते रहते हैं और खुद के साथ खुश रहने का तरीका भी भूल जाते हैं। वास्तव में खुशी और सफलता के बीच रिश्ता उतना सीधा नहीं, जितना समाज मान बैठा है। कई बार जिसे सफल माना जाता है, वह उदास हो सकता है और जो सरल जीवन जी रहा है, वह खुश हो सकता है। खुशियां वास्तव में समाज के विश्वास के विपरीत हैं। खुशियों का संबंध बाहरी दिखावे से नहीं हैं बल्कि मानसिक शांति और आत्म संतुष्टि से है। जो लोग दूसरों की राय की अत्यधिक चिंता करते हैं, वे हमेशा अपने मन की बात को सुनने में असमर्थ रहते हैं। सबसे अच्छी सफलता वह अवस्था है जिसमें खुशी और सफलता साथ रह सकते हैं।

लघु कथा

सन्तोष सबसे बड़ा धन!

सुनील मिनोचा

कहानीकार

कन्हैयालाल व उनकी पत्नी सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त होकर शहर में ही अपने मकान में रहने लगे। एक बच्चा बाहर सेटल हो चुका था। लड़कियां विवाह पश्चात सैटल थीं। यूं सुबह- शाम पत्नी के साथ पार्क में सैर कर, मन को शांत रखते थे। अपनी ढलती आयु में इक्का- दुक्का काम समीप की मार्केट में स्वयं पैदल ही कर लेते थे। एक बार ऐसे ही कन्हैयालाल पैदल मार्केट से आ रहे थे। पीछे से एक स्कूटर चला रही स्त्री , जिसके एक बच्चे ने पीछे अपना छोटा दो- पहिया साइकिल हाथ में पकड़ रखा था, वह सड़क किनारे चलते हुए उनसे टकरा गया। कन्हैयालाल नीचे गिर गये। फिर स्त्री थोड़ा-सा रुकी, बचाव समझ के जल्दी चलती बनी। उन्होंने फोन कर पड़ोस वालों को और पत्नी को बुलाया। उठने में दर्द कुछ देर बाद महसूस होने से किसी ने समीप एक्सरे करवाने की सलाह दी। इसमें पता चला कि कूल्हे की हड्डी में फ्रेक्चर हो गया है। बेटे को बताया तो विदेश बैठे बच्चे ने किसी बड़े मशहूर डॉक्टर के अस्पताल से ईलाज की सलाह दी। ऐसा ही हुआ। सात लाख के करीब बिल बना। कुछ सरकारी तो कुछ अपना लगा। जब उनसे पूछा गया कि जिसने टक्कर मारी, उससे कुछ नहीं कहोगे? उनका जवाब था-मैंने पता लगाने की जरूरत नहीं समझी। मेरे कर्म में यही लिखा था। कोई बुरा कर्म कट गया।

कहते हैं -जान बच्ची तो लाखों पाए। लोकल बरह रही बेटियों ने खूब सेवा की। बेटे को भी बाहर से पूछने आना पड़ा। चाहे कुछ भी हो, सन्तोष सबसे बड़ा धन है। ऐसे ही एक अन्य घटना याद आती है। जब एक अन्य सेक्टर में एक सेवानिवृत्त इंजीनियर सुबह अपनी लड़की के साथ सैर कर रहा था। एक काम करने वाली लड़की ने ध्यान कहीं ओर होने से, पीछे से साइकिल से टक्कर मार दी। उसका पता नोट किया। फिर अस्पताल में लाखों का बिल बना, जो सरकार से मिल जाना था। उस गरीब काम वाली लड़की की कुछ दिन बाद शादी भी थीं। तब उससे कम से कम एक लाख वसूल कर चैन पड़ा। सबके मन में पैसे के प्रति भावना एक जैसी नहीं होती ।

बाढ़, सेम और हिसार घग्गर मल्टीपर्पज ड्रेन की समस्या

अखिल भारतीय किसान सभा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

स्थायी समाधान की मांग को लेकर 3 जून को ओटू हेड पर किसान पंचायत

सिरसा। किसान-मजदूर पंचायत को लेकर गांवों में संपर्क साधते किसान नेता। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

ओटू हेड पर अधूरे कार्यों और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर उठेगा मुद्दा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

बाढ़, सेम और हिसार घग्गर मल्टीपर्पज ड्रेन की समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर 3 जून को ओटू हेड सिरसा में किसान मजदूर पंचायत होगी।

अखिल भारतीय किसान सभा ने पंचायत की तैयारी के लिए गांवों में जन अभियान चलाया। राजेंद्र औलख ने बताया कि पिछले साल सिरसा जिला समेत कई जिलों में खरीफ की फसलों में बड़ा भारी नुकसान हुआ था, जिसका कारण प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की लापरवाही और प्रशासनिक विफलता थी। गांवों में तैयारी करते हुए किसान सभा नेता संदीप धीरनवास ने बताया कि हिसार घग्गर मल्टीपरपज ड्रेन जो बारिश के पानी की निकासी के लिए बनाई थी, वो किसानों के घरों, उनकी फसलों को डुबोने का कारण बन रही है। इस ड्रेन से पानी की निकासी की जितनी क्षमता है, उससे ज्यादा पानी इसमें चलता है। इसके लेवल में कमी होने, इसके बांध कच्चे होने, समय पर सफाई न होने और सबसे प्रमुख ओटू हेड पर इस ड्रेन के पानी को घग्गर में डालने के लिए पंप सेट न होने से ये ड्रेन हर बार ही तबाही है। ड्रेन के चलते ही सेम की समस्या बढ़ती जा रही है और फसलों की तबाही बढ़ रही है। सेम की समस्या के समाधान के लिए जो सोलर ट्यूबवेल लगाए थे, वो फेल हो चुके हैं। ओटू हेड पर जो गेट के लिए ढांचा तैयार किया गया, उसके गेट नहीं लगे और इसके लिए हजारों करोड़ के फंड जारी होते रहे, लेकिन उसपर एक पैसा भी ड्रेन पर खर्च नहीं करते और बड़े भारी भ्रष्टाचार कर शीर्ष अधिकारी अपना घर भर रहे हैं। इसलिए इन मुद्दों के समाधान के लिए 3 जून को विशाल पंचायत ओटू हेड पर की जाएगी।

ये रहे मौजूद

पंचायत की तैयारी के लिए गांव चाहरवाला, रुपाणा जाटान, दैयड़, शाहपुरिया, तरकांवाली, रुपाणा बिश्नोईया, दड़बा में अभियान चलाया और सभी पीड़ित, प्रभावित गांववासियों से इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की गई। इस मौके पर किसान सभा के नेता हमजिंदर सिद्धू, अभिमन्यु सहारण, राज्य महासचिव सुमित दलाल, मांगेराम कासनियां, निकास बैनीवाल, अभय सिंह सहारण आदि शामिल रहे।

रोडवेज कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

सिरसा। कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों के विरोध में सांझा मोर्चा के आह्वान पर सिरसा डिपो में कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर रोष का इजहार किया। इसके बाद कर्मचारियों ने अपनी मांगों संबंधी ज्ञापन सिरसा डिपो ट्रैफिक मैनेजर सुधीर और संस्थान प्रबंधक रत्नलाल को सौंपा। दोनों अधिकारियों ने जल्द ही कर्मचारियों की सभी समस्याओं का समाधान करवाने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन में मंच का संचालन हेमंत पारीक व सुरेंद्र डूडी ने किया। कर्मचारियों ने बताया कि रात्रि भत्ता, अतिरिक्त ड्यूटी भत्ता, मेडिकल बिल, शिक्षा भत्ता, 2024 का नाइट भत्ता, 8-9 माह का ओवरटाइम, मेडिकल बिल, एलटीसी, एजूकेशन एलायंस आदि देय भत्ते कर्मचारियों को समय पर नहीं दिए जा रहे हैं, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष है। इस अवसर पर रिटायर्ड कर्मचारी संगठन से आत्माराम सहारण, मदनलाल खोथ सहित अन्य रिटायर्ड कर्मचारियों ने कहा कि रिटायर्ड कर्मचारी संघ रोडवेज कर्मचारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। कर्मचारियों के हकों पर कुठाराघात कतई सहन नहीं किया जाएगा। वहीं सांझा मोर्चा सिरसा ने डिपो प्रशासन को चेताया कि अगर जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो 14 जून को गेट मीटिंग करके आगामी आंदोलन का रूपरेखा बनाई जाएगी।

दो मामलों में पुलिस ने राजस्थान से तीन सप्लायरों को दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

डोडा चूरा पोस्त तस्करी के मामले में सीआईए रतिया पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए राजस्थान से दो नशा सप्लायरों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक कुल तीन आरोपी काबू किए जा चुके हैं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान बठिंडा निवासी संदीप कुमार उर्फ सिप्पी, उदयपुर (राजस्थान) निवासी भेरूलाल और चित्तौड़गढ़ निवासी रामेश्वर लाल मेघवाल के रूप में हुई है। सीआईए प्रभारी उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि 26 मई को पुलिस ने रोजावाली बस अड्डे के पास से संदीप कुमार और उसके साथी विनय को 52 किलो 320 ग्राम डोडा चूरा पोस्त के साथ गिरफ्तार किया था। अदालत से आरोपी संदीप का 6 दिन का पुलिस रिमांड हासिल कर जब गहन पूछताछ की गई, तो राजस्थान के नशा तस्करों के नाम सामने आए। इसके बाद सीआईए की टीम ने राजस्थान में दबिश देकर मुख्य सप्लायर भेरूलाल और रामेश्वर लाल को काबू कर लिया। तीनों को कोर्ट में पेश कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

जुए के अड्डे पर पुलिस की दबिश, पांच काबू

सिरसा। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस ने गांव शेरपुरा क्षेत्र में एक जुए के अड्डे का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1 लाख 3 हजार 200 रुपए की जुआराशि बरामद की है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी संदीप सिंह ने रविवार शाम चार बजे के दौरान बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान थाना डिंग क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि गांव शेरपुरा में एक मकान में बड़े स्तर पर जुआ खेला जा रहा है। पुलिस ने मौके पर दबिश देकर पांच आरोपियों को काबू कर लिया और मौके से 1 लाख 3 हजार 200 रुपए की नकदी बरामद किए गए। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जयप्रकाश, सतपाल, सुनील,, अनिल व राजेंद्र के रूप में हुई है। आरोपियों के खिलाफ थाना डिंग में जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

अमीलाल भाटिया हुए सेवानिवृत्त

ओढां। बागवानी विभाग ओढां में तैनात फील्डमैन अमीलाल भाटिया सेवानिवृत्त हो गए। गांव पन्नीवाला मोटा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उनके सहकर्मी, अधिकारी, दोस्त, रिश्तेदार शामिल हुए। अमीलाल भाटिया ने वर्ष 1991 को ओढ़ां में फील्डमैन के पद पर ज्वाइन किया और करीब 35 वर्ष एक ही स्थान पर सर्विस करने के बाद आज ओढ़ां से ही सेवानिवृत्त हुए जो कि एक रिकॉर्ड है। किसानों व सहकर्मियों के साथ प्रेम व मेल मिलाप के काम किया। विदाई समारोह में सतबीर शर्मा पूर्व डीडीएचओ, संजय भादू एचडीओ ओढ़ा, नवीन कुमार जींद, सीमा देवी, कांग्रेस नेता संदीप नेहरा, प्रदीप बेनीवाल सरपंच सहित अनेक गणमान्यजन मौजूद थे।

पुलिस ने हेरोइन सहित दो युवकों को किया काबू

6.25 ग्राम नशा किया बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने दो युवकों को काबू किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान हिजरावां खुर्द निवासी कशमीर सिंह और हिजरावां कलां निवासी गुरमीत उर्फ गीता के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से 6.25 ग्राम हेरोइन बरामद की है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम गश्त और अपराध रोकथाम के सिलसिले में गांव दौलतपुर क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान बलौदा पौधशाला के पास एक मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आते दिखाई दिए, जो पुलिस वाहन को देखकर अचानक यू-टर्न लेकर भागने का प्रयास करने लगे। युवकों की इस संदिग्ध गतिविधि को देखकर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाई और घेराबंदी करते हुए दोनों युवकों को मोटरसाइकिल सहित काबू कर लिया। पुलिस द्वारा ली गई तलाशी के दौरान आरोपी गुरमीत उर्फ गीता की जेब से 6.25 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर होंगी खेल प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योगासन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। ये प्रतियोगिताएं ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर पर आयोजित होंगी, ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता 2 जून, जिला स्तरीय प्रतियोगिता 9 जून तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 15 जून को आयोजित की जाएगी। जिला खेल अधिकारी जगदीप ने बताया कि शहीद भगत सिंह स्टेडियम सिरसा में सुबह नौ बजे से पांच बजे के बीच प्रतियोगिता दो आयु वर्गों में आयोजित होगी। पहला वर्ग अंडर-18 (10 से 18 वर्ष) तथा दूसरा वर्ग 18 से 55 वर्ष आयु वर्ग का होगा। पुरुष एवं महिला वर्ग की प्रतियोगिताएं अलग-अलग आयोजित की जाएंगी। आयु की गणना 1 जनवरी 2026 को आधार मानकर की जाएगी। प्रतिभागियों को आसनों के प्रदर्शन से पहले सूर्य नमस्कार का एक राउंड करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रतिभागी को 5 अनिवार्य आसन तथा निर्धारित सूची में से अपनी पसंद के 2 वैकल्पिक आसनों का प्रदर्शन करना होगा।

आसनों का समय निर्धारित

अनिवार्य आसनों के लिए 30 सेकंड तथा वैकल्पिक आसनों के लिए 15 सेकंड का समय निर्धारित किया गया है। योगासन प्रदर्शन का प्रारंभ एवं समापन नमस्ते मुद्रा के साथ करना अनिवार्य होगा। प्रतियोगिता कुल 100 अंकों की होगी, जिसमें सूर्य नमस्कार के लिए 20 अंक, सातों आसनों के लिए 70 अंक तथा वेशभूषा, अनुशासन, माउंटिंग, डिसमाउंटिंग एवं काउंटर पोज के लिए 10 अंक निर्धारित किए गए हैं।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को किया सम्मानित

नागर स्पोर्ट्स टैलेंट लाइव अकादमी ने किया खेल प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में नागर स्पोर्ट्स टैलेंट लाइव अकादमी की ओर से खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के युवा और बाल खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का चढ़कर प्रदर्शन किया। कोच रघुवीर सिंह व सपना रानी ने बताया कि 1600 मीटर दौड़ पुरुष वर्ग में विकास ने प्रथम, जतिन ने द्वितीय और सौरभ ने तृतीय स्थान हासिल किया। 400 मीटर दौड़ में विशाल, विकास और जतिन क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। 3 किलोमीटर दौड़ महिला वर्ग में सुनीता ने पहला, महक ने दूसरा और अंजू रानी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। पैदल चाल स्पर्धा में तमन्ना रानी ने बाजी मारी, जबकि नेहा और आयशा क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहीं। अंडर-12 400 मीटर लड़कियां में माही, मन्नत और अनमोल ने अपनी श्रेणी में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अंडर-10 के 400 मीटर रेस में पारस ने पहला, शिवा ने दूसरा और नूर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया, वही खेल के मैदान में अपने विशेष समर्पण और उत्कृष्ट खेल भावना के लिए जसमीत और प्रियंका रानी को प्रतियोगिता का बेस्ट स्पोर्टिंग खिलाड़ी चुना गया। इस अवसर पर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर कमेटी के सदस्य मास्टर धर्मवीर ग्रोवर, सम्राट सागू और प्रवीण मराठा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

रतिया। दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते हुए खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

अरोड़वंश समाज ने श्रद्धा से मनाई अरूट जयंती

सिरसा। अरोड़वंश समाज द्वारा समाज के संस्थापक अरूट महाराज की जयंती श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ अरोड़वंश धर्मशाला में मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा ब्रह्मदास महाराज एवं स्वामी जित्वानंद महाराज द्वारा ज्योति प्रज्वलित कर किया गया। अरोड़वंश समाज के प्रधान दीपक अरोड़ा ने कहा कि समाज के संस्थापक सूर्यवंशी अरूट महाराज भगवान श्रीराम के कुल से संबंधित थे तथा हम सभी सूर्यवंशी परंपरा के गौरवशाली वंशज हैं। उन्होंने अपने एक वर्ष के कार्यकाल का विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि धर्मशाला के निर्माण कार्य में समाज के अनेक परिवारों ने उदारतापूर्वक सहयोग दिया है, जिसके परिणामस्वरूप निर्माण कार्य निरंतर प्रगति पर है। समारोह में समाज के उन प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने हाई स्कूल, इंटरमीडिएट, विश्वविद्यालय तथा विभिन्न प्रतियोगी क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया। खेल, शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

स्टेशन पर चलाया कांबिंग ऑपरेशन अभियान

पुलिस ने संदिग्धों से की पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ⏭ कालांवाली

पुलिस द्वारा रेलवे स्टेशन कालांवाली तथा अन्य संदिग्ध स्थानों पर विशेष कांबिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने रेलवे स्टेशन परिसर, आसपास के सार्वजनिक स्थलों, सुनसान क्षेत्रों तथा अन्य संवेदनशील स्थानों की गहनता से जांच की। इसके साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कर उनकी गतिविधियों का सत्यापन किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एसएचओ विजय कुमार के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नशा तस्करी नेटवर्क पर निगरानी रखना, नशा बेचने व सेवन करने वालों की पहचान करना तथा क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। पुलिस टीमों ने विभिन्न स्थानों पर सघन कांबिंग करते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी तथा आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशा तस्करों एवं असामाजिक तत्वों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी कीमत पर ऐसे तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा।

ग्रामीणों ने श्मशाम भूमि में चलाया सामूहिक सफाई अभियान

- लोगों ने सामाजिक एकता और सहयोग का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ डिंग

डिंग रोड स्थित श्मशान भूमि में ग्रामीणों द्वारा सामूहिक सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान गांव खुहवाली ढाणी, पतली डाबर तथा डिंग रोड के ग्रामीणों ने मिलकर श्मशान भूमि में फैले कचरे और कंटीली झाड़ियों को हटाकर साफ-सफाई की। ग्रामीणों ने बताया कि श्मशान भूमि की साफ-सफाई से आने वाले लोगों को सुविधा मिलेगी और परिसर स्वच्छ बना रहेगा। इस अवसर पर ग्रामीणों ने श्रमदान करते हुए सामाजिक एकता और सहयोग का संदेश दिया। अभियान के दौरान पतली डाबर सरपंच लखविंदर सिंह, खुहवाली ढाणी से रेश्मा सिंह नंबरदार, परमिंदर सिंह, शेरसिंह,लखविंदर सिंह सुनील शाक्य, नरसिंह शाक्य, डॉ. वकील चंद, महेंद्र कुमार, सुरजीत सिंह, जसबिंदर सिंह तथा रोहतास शाक्य सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

सिरसा। श्मशान भूमि में सफाई अभियान चलाते ग्रामीण।

भुना में जानलेवा हमले का सातवां आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

फतेहाबाद। थाना भुना पुलिस ने एक युवक पर गाड़ियों में सवार होकर आए बदमाशों द्वारा किए गए जानलेवा हमले के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी लखविंदर सिंह उर्फ लुख टोहाना के मनियाना रोड का रहने वाला है। उसे न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इस मामले में पुलिस अब तक कुल 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि मॉडल टाउन भुना निवासी मोनू ने शिकायत दी थी दो गाड़ियों में सवार होकर आए 10-12 युवकों ने उस पर तलवारों और अन्य हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया था।

आइसक्रीम विक्रेता से लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस मामले में एक आरोपी को पहले गिरफ्तार कर चुकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

आइसक्रीम विक्रेता से हुई लूटपाट के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना शहर रतिया पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रतिया के वार्ड नंबर 3 निवासी कुलदीप उर्फ बाला और वार्ड नंबर 8 निवासी लभ सिंह उर्फ लवी के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि अब पकड़े गए दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थाना प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि वार्ड नंबर 9 निवासी हरमन सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह आइसक्रीम का ठेला लगाता है। बीती 21 मार्च को कुछ युवकों ने आइसक्रीम लेने के बहाने उसे एक मकान में बुलाया और मारपीट कर उससे 3 हजार रुपये छीन लिए। साथ ही किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी और अब इन दोनों आरोपियों को पकडने में सफलता हासिल की है। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी गहनता से जांच कर रही है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी में पुलिस ने एक आरोपी को किया काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी और धोखाधड़ी के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर रतिया पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी मोहित कुमार उर्फ मोंटी फतेहाबाद की बीघड़ रोड का रहने वाला है। इस मामले के मुख्य आरोपी सुनील कुमार उर्फ टिंकू निवासी रतिया को पुलिस पहले ही दबोच चुकी है। थाना प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि 13 मई को पुलिस ने टोहाना रोड स्थित एक दुकान पर छापेमारी कर मुख्य आरोपी सुनील कुमार को ऑनलाइन सट्टेबाजी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा था। तलाशी के दौरान उसके मोबाइल से सट्टेबाजी की वेबसाइट और आईडी संचालित होती पाई गई थी। पूछताछ में सुनील ने खुलासा किया था कि यह सट्टेबाजी आईडी उसे मोहित कुमार उर्फ मोंटी ने कमीशन के बदले उपलब्ध करवाई थी। इसी आधार पर पुलिस ने हरियाणा सार्वजनिक जुआ (निषेध) अधिनियम, 2025 के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहित को नामजद कर काबू किया।

डोडा पोस्त तस्करी में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

एक अन्य मामले में भट्टूकलां पुलिस ने डोडा पोस्त तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए राजस्थान से तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जोधपुर जिले की पुनिया की बासनी निवासी भागाराम के रूप में हुई है। थाना भट्टूकलां प्रभारी उपनिरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि 28 मई 2026 को सीआईए फतेहाबाद पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक बोलेरो मैक्स पिकअप गाड़ी से पंजाब निवासी दो तस्करों बूटा सिंह और जसविंदर राम को 60 किलो 365 ग्राम डोडा पोस्त के साथ गिरफ्तार किया था। जब पकड़े गए दोनों तस्करों से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि नशा उन्हें राजस्थान निवासी भागाराम ने सप्लाई किया था।

फतेहाबाद पुलिस ने जारी की सख्त एडवाइजरी

क्रिकेट बुकी और सट्टेबाजों के चंगुल में न फंसें युवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

फतेहाबाद की पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर के निर्देशानुसार पुलिस विभाग द्वारा आमजन और विशेषकर युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की गई है। पुलिस ने युवाओं को सट्टेबाजी और ऑनलाइन जुए जैसी अवैध गतिविधियों से दूर रहने की हिदायत दी है। पुलिस का कहना है कि युवाओं को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और समाज के प्रत्येक नागरिक का सतर्क रहना ऐसे अपराधों की रोकथाम में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। फतेहाबाद पुलिस ने चेतावनी देते हुए कहा कि क्रिकेट बुकी और ऑनलाइन सट्टेबाज युवाओं को शुरुआत में भारी मुनाफे का लालच देकर अपने जाल में फंसाते हैं। जब कोई व्यक्ति इस झांसे में आ जाता है, तो वह धीरे-धीरे बड़ी धनराशि हारने लगता है। इसके बाद वह मानसिक तनाव, कर्ज और अवसाद जैसी गंभीर स्थितियों में पहुंच जाता है। कई बार ऐसी परिस्थितियां पूरे परिवार के लिए गंभीर सामाजिक और आर्थिक संकट खड़ा कर देती हैं। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति, मोबाइल एप, वेबसाइट या ऑनलाइन लिंक के माध्यम से सट्टेबाजी अथवा जुए से जुड़ी गतिविधियों में शामिल न हों। क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन या ऑफलाइन सट्टा लगाना एक गंभीर व दंडनीय अपराध है।

फतेहाबाद। एसपी निकिता खट्टर।

सट्टेबाजी से दूर रहने के लिए पुलिस ने की अपील

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में सट्टेबाजी और अवैध जुए के विरुद्ध लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की स्पेशल टीमें, साइबर यूनिट तथा एवीटी स्टाफ ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखे हुए हैं। ऐसे मामलों में हरियाणा सार्वजनिक जुआ (निषेध) अधिनियम, 2025, आईटी एक्ट तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। फतेहाबाद पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे स्वयं भी सट्टेबाजी से दूर रहें और अपने परिवार के युवाओं को इसके प्रति जागरूक कर समाज को इस बुराई से बचाने में सहयोग करें।

खबर संक्षेप

अवैध शराब सहित दो आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने जिला में अलग-अलग स्थानों से अवैध रूप से बेची जा रही 30 बोतल देसी शराब बरामद कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सिविल लाइन थाना कि एक पुलिस टीम ने शहर सिरसा क्षेत्र से आरोपी मोनू निवासी थेड़ मोहल्ला सिरसा को 16 बोतल अवैध शराब सहित काबू किया है। वहीं एक अन्य घटना में थाना बड़ागुढ़ा पुलिस ने बड़ागुढ़ा क्षेत्र से आरोपी मनदीप निवासी बड़ागुढ़ा को 14 बोतल अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में आबकारी अधिनियम के तहत

4 से 6 जून तक होगा श्रीमद्भागवत प्रवचन

फतेहाबाद। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा समिति एवं श्री कृष्ण प्रणामी महिला मंडल फतेहाबाद के तत्वावधान में 4 से 6 जून तक श्रीमद्भागवत सार दिव्य प्रवचन एवं श्रीकृष्ण कथा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में परमहंस हिन्दू रत्न संत शिरोमणि श्री श्री 108 डॉ. स्वामी सदानंद महाराज अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को कथा एवं आध्यात्मिक प्रवचनों का रसपान कराएंगे। आयोजक अशोक भुकर ने बताया कि प्रवचन कार्यक्रम 4 और 5 जून को सायं 3 बजे से 6 बजे तक तथा 6 जून को प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक आयोजित होगा।

रेलगाड़ियों के विस्तार को लेकर सांसद को भेजा पत्र

सिरसा। सिरसा रेलवे स्टेशन से यात्रियों की सुविधा के लिए कुछ रेलगाडिय़ों के विस्तार एवं समय परिवर्तन करने की मांग को लेकर ब्राह्मण सभा सिरसा ने सांसद रेखा शर्मा को एक पत्र भेजा है। सभा के प्रधान अर्जुन शर्मा ने बताया कि फरवरी 2024 में हांसी-महम-रोहतक नई रेल लाइन का निर्माण पूरा हुआ था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस लाइन का उद्घाटन कर इस लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया था। उन्होंने कहा कि अब सिरसा से हांसी होते हुए नई दिल्ली के लिए एक नई इंटरसिटी सुबह 4.30 बजे चलकर नई दिल्ली 9:15 बजे पहुंचे और वापसी शाम 5 बजे चलकर रात्रि 10 बजे सिरसा पहुंचे, ताकि व्यापारी काम करके उसी दिन रात्रि 10 बजे अपने घर पहुंच जाएं।

पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न हो शिक्षाः प्राचार्या पुरी

सिरसा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढूकड़ा की प्राचार्या मोना पुरी ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए। वे 25 से 31 मई तक चले भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन शिविर के समापन समारोह में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास, सामाजिक कौशल और सांस्कृतिक चेतना का विकास भी बेहद आवश्यक है। ऐसे शिविर बच्चों को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। शिविर में विद्यालय के लगभग 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अतिथि अध्यापकों को तुरंत दें स्थायी नियुक्ति : सैनी

सिरसा। स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा संगठन के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गुरदीप सैनी ने 12,700 अतिथि अध्यापकों को हाईकोर्ट के फैसले को मानते हुए तुरंत स्थाई नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग की है। गुरदीप सैनी ने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय के फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि अतिथि अध्यापकों की नियुक्ति सही है। गौरतलब है कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति संदीप मौदगिल की बेंच ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए गेस्ट टीचरों को 2 महीने के भीतर नियमित करने के आदेश दिए हैं।

धान पर संकट : पौध झुलसी तो बाहर से मंगवानी पड़ेगी नर्सरी, बढ़ेगी लागत

भीषण गर्मी ने बढ़ाई चिंता : खेतों में सूख रही नमी, पीली पड़ने लगी पौध

फतेहाबाद। गांव माजरा में पीली पड़ती धान की पौध।फतेहाबाद। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी अब किसानों के लिए बड़ी चिंता का कारण बनती जा रही है। तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने और लू के थपेड़ों के चलते धान की पौध पर खतरा मंडराने लगा है। खेतों में तैयार की गई कोमल पौध तेज धूप की मार झेल रही है, जबकि मिट्टी की नमी तेजी से खत्म होने से कई स्थानों पर पौध पीली पडऩे और झुलसने लगी है। यदि अगले कुछ दिनों में मौसम का मिजाज नहीं बदला तो जिले के अनेक किसानों को धान की पौध दूसरे जिलों या राज्यों से खरीदकर मंगवानी पड़ सकती है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान मौसम धान की नर्सरी के लिए सबसे संवेदनशील समय है। इस दौरान लगातार अधिक तापमान रहने से पौध की बढ़वार प्रभावित होती है और रोपाई के समय कमजोर पौध मिलने का खतरा बढ़ जाता है। इसका सीधा असर उत्पादन और किसानों की आय पर पड़ सकता है।

पौध का रंग पड़ रहा है पीला

जिले के गांवों में किसानों ने धान की बेहन तैयार कर ली है और रोपाई की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। लेकिन पिछले कई दिनों से पड़ रही प्रचंड गर्मी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। किसानों का कहना है कि सामान्य दिनों की तुलना में अब नर्सरी में अधिक बार सिंचाई करनी पड़ रही है। सुबह पानी देने के कुछ घंटों बाद ही खेत की सतह सूखने लगती है। किसानों के अनुसार तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण पौध की कोमल पत्तियों पर असर दिखाई देने लगा है। कई स्थानों पर पौध का रंग हल्का पीला पड़ रहा है, जबकि कुछ खेतों में किनारों से झुलसने जैसे लक्षण भी दिखाई दे रहे हैं।

उत्पादन पर भी पड़ सकता है असर

कृषि विभाग के तकनीकी सहायक डॉ. राजपाल ने बताया कि वर्तमान मौसम धान की कोमल पौध के लिए अनुकूल नहीं है। यदि किसान समय रहते नर्सरी की देखभाल नहीं करेंगे तो रोपाई के समय कमजोर पौध मिलने की संभावना बढ़ सकती है। कमजोर पौध खेत में लगाने से फसल की शुरुआती बढ़वार प्रभावित होती है और अंततः उत्पादन कम हो सकता है। उन्होंने किसानों को धान की सीधी बिजाई के विकल्प पर भी विचार करने तथा नर्सरी में नमी बनाए रखने के लिए नियमित सिंचाई करने की सलाह दी है।

बारिश बनी किसानों की उम्मीद

भीषण गर्मी के बीच किसानों की नजर अब मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर टिकी हुई है। जिला में 29 मई से लेकर अब तक बरसात से तापमान में गिरावट आई है, जिससे किसानों ने राहत की सांस ली है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि 5 जून तक कहीं-कहीं बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। यदि यह पूर्वानुमान सही साबित होता है तो धान की नर्सरी को बड़ी राहत मिल सकती है। बारिश से खेतों में नमी बढ़ेगी, तापमान में गिरावट आएगी और पौध की बढ़वार को अनुकूल वातावरण मिलेगा। दरअसल जिले में बढ़ती गर्मी ने धान उत्पादक किसानों की चिंता बढ़ा दी है। आने वाले एक सप्ताह का मौसम तय करेगा कि खेतों में तैयार नर्सरी रोपाई तक सुरक्षित पहुंच पाएगी या किसानों को अतिरिक्त खर्च कर बाहर से पौध मंगवानी पड़ेगी।

सुबह-शाम सिंचाई से मिल सकती है राहत

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश सिहाग ने किसानों को सलाह दी है कि धान की नर्सरी में सुबह और शाम हल्की सिंचाई अवश्य करें। इससे मिट्टी में नमी बनी रहेगी और पौध को गर्मी से कुछ राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि दोपहर के समय खेत में पानी की पतली परत बनाए रखने से भी मिट्टी का तापमान नियंत्रित रहता है और पौध पर गर्मी का प्रभाव कम पड़ता है।

जाली और पुआल से बचाई जा सकती है नर्सरी

विशेषज्ञों के अनुसार किसान धान की बेहन को सीधे सूर्य की किरणों से बचाने के लिए हरी जाली, पुआल अथवा सूखी घास का हल्का आवरण भी उपयोग कर सकते हैं। इससे पौध को छाया मिलेगी और खेत में नमी लंबे समय तक बनी रहेगी। कृषि विभाग का कहना है कि यह तरीका विशेष रूप से उन क्षेत्रों में प्रभावी है जहां तापमान लगातार 44 से 45 डिग्री के आसपास बना हुआ है।

ये लक्षण दिखें तो तुरंत सतर्क हो जाएं किसान

- कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यदि धान की पौध में निम्न लक्षण दिखाई दें तो तुरंत उपचार करना चाहिए—
- पत्तियों का पीला पडऩा
- पत्तियों के किनारों का सूखना
- पौध का झुलसा हुआ दिखाई देना
- बढ़वार का रुक जाना
- पौध का कमजोर और पतला होना
- ऐसी स्थिति में सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिडक़ाव, पर्याप्त सिंचाई और विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार उपचार करना जरूरी है।

धान की पौध बचाने के लिए कृषि विभाग की सलाह

- सुबह और शाम हल्की सिंचाई करें।
- दोपहर में खेत में पानी की पतली परत बनाए रखें।
- नर्सरी पर हरी जाली, पुआल या सूखी घास का आवरण दें।
- पत्तियां पीली पडऩे पर सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिडक़ाव करें।
- खेत की मेड़ों को मजबूत रखें, पानी की अनावश्यक निकासी रोकें।
- पौध की प्रतिदिन निगरानी करें।

तापमान नहीं घटा तो खरीदनी पड़ सकती है पौध

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आगामी दिनों में तापमान में गिरावट नहीं आती और गर्म हवाओं का दौर जारी रहता है तो जिले में धान की नर्सरी प्रभावित हो सकती है। ऐसी स्थिति में किसानों को रोपाई के लिए दूसरे क्षेत्रों से पौध खरीदनी पड़ सकती है। बाहर से पौध मंगवाने पर किसानों की लागत कई गुना बढ़ जाएगी। पहले जहां किसान अपनी नर्सरी से रोपाई कर लेते हैं, वहीं पौध खरीदने की स्थिति में परिवहन, मजदूरी और अतिरिक्त खरीद लागत का बोझ अलग से उठाना पड़ेगा।

सिरसा। चेयरपर्सन रीमा सोनी का स्वागत करते स्वर्णकार समाज के लोग।

जनसंख्या अनुपात के अनुसार समाज की राजनीति में भागीदारी जरूरीः सोनी

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

स्वर्णकार समाज द्वारा रविवार को उकलाना नगर परिषद की चेयरपर्सन रीमा सोनी के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। स्वर्णकार समाज के लोगों ने रीमा सोनी को पगड़ी व फूल मालाएं पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया। स्वर्णकार समाज सेवा संघ के मुख्य सलाहकार एवं जिला सिरसा प्रभारी सुखविंद्र सोनी ने कहा कि रीमा सोनी की जीत एक निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर ऐतिहासिक जीत है। उन्होंने कहा कि रीमा सोनी की जीत से समाज के युवाओं को प्रेरणा लेकर राजनीतिक क्षेत्र में आगे बढऩा चाहिए। सुखविंद्र सोनी ने कहा कि जनसंख्या अनुपात के अनुसार समाज की राजनीति में भागीदारी जरूरी है। क्योंकि राजनीति में भागीदारी होगी, तभी समाज को उसका प्रतिनिधित्व मिलेगा और समाज अपने अधिकार प्राप्त कर सकेगा। रीमा सोनी की तरह समाज के युवाओं को राजनीतिक क्षेत्र में आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि समस्त स्वर्णकार समाज अब एकजुट हो चुका है और अपने अधिकारों को लेकर पूरी तरह सजग है।

ये है मामला

इस मौके पर राजकुमार जिला प्रधान, महेंद्र कुमार राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य, मदनलाल जोडा वरिष्ठ जिलाउपप्रधान, तहसील प्रधान संतपाल, किशोर सोनी, विक्रम सोनी, विशाल ढल्ला महासचिव, फकीर चंद, ओमप्रकाश डावर, कस्तूर इंसां, सुरेश नारनौली, सुरेंद्र झींगा, सुरेंद्र कुमार, शिव कुमार, सुभाष सोनी, सेवानिवृत्त लेक्चरार सुभाष वर्मा, संजय रिसालियाखे?ा, शंकर भूण, संतोष नरूला, पवन सोनी, सुंदर सोनी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

रूपावास की बेटी गायत्री ने जीता गोल्ड मेडल

चोपटा। क्षेत्र के गांव रूपावास की बेटी गायत्री ने 16वीं हरियाणा सीनियर स्टेट चैंपियनशिप में स्टीपलचेस (बाधा दौड़) प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर गांव का नाम रोशन किया है। गांव रूपावास में खुशी का माहौल ह व परिजनों को लोग घर जाकर बधाई दे रहे हैं। केआरएम कॉलेज के कोच डॉ. जसवीर जाखड़ ने बताया कि द्रोणाचार्य स्टेडियम कुरुक्षेत्र में 30 व 31 मई को आयोजित 16वीं हरियाणा सीनियर स्टेट स्टीपलचेस चैंपियनशिप में गांव रूपावास की होनहार खिलाड़ी गायत्री पुत्री रामचंद्र स्वामी ने स्टीपलचेस रेस में 3000 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान हासिल करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने बताया कि गांव के ही खेल स्टेडियम में तैयारी करते हुए कोच श्यामसुंदर पूनियां के मार्गदर्शन में गायत्री ने यह सफलता हासिल किया है। गायत्री के पिता रामचंद्र ने बताया कि गायत्री शुरू से ही खेलों में सक्रियता से भाग लेती रही है। गायत्री ने वर्ष 2023 में 12वीं कक्षा के दौरान दौड़ प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था। खिलाड़ी गायत्री केआरएम कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष में पढ़ाई कर रही है।

फतेहाबाद। अतिथियों को सम्मानित करते संस्था सदस्य। फोटो : हरिभूमि

थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के सहायतार्थ संस्थाओं ने लगाया रक्तदान शिविर

80 लोगों ने किया स्वेच्छा से रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गुरुद्वारा सिंह सभा जगजीवनपुरा, सरबत दा भला ट्रस्ट, अरोडवंश महासभा द्वारा गुरु रविदास एवं महाराजा अरुट जयंती पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 80 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। यह शिविर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के सहतार्थ आयोजित किया गया था। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, अरोडवंश महासभा अध्यक्ष आजाद सचदेवा, गुरुद्वारा सिंह सभा से अजीत सचदेवा, सरबत दा भला संस्था से रसप्रीत सिंह ग्रोवर, सिटी वेलफेयर क्लब के विनोद अरोड़ा ने आए हुए रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर ऑल इंडिया अरोड़ा पंजाबी खत्री कम्युनिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष साहब दयाल वधवा, प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश चुघ, राजेन्द्र कुकरेजा, राम सेठी, गुरूद्वारा कमेटी से महेंद्र सिंह ग्रोवर, महेंद्र सिंह वधवा, सरबत दा भला संस्था से कुलदीप सचदेवा, रामनिवास, देवेंद्र मोंगा, हरप्रीत सिंह ग्रोवर, नरेश सचदेवा, परम अरोड़ा, मदन मोहन ग्रोवर, मोहरी राम ग्रोवर, हरबंस सेठी, ईश्वर सेठी, खुशबू टक्कर, गुरबख्श मोंगा, थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन से निशु मुंजाल, पार्षद अर्जुन कटारिया, दिनेश गेरा, कश्मीर सिंह, हरदयाल सिंह, तरनजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, मनोज मोंगा सहित गणमान्य व्यक्ति व संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट सेवाओं के उपरांत सेवानिवृत्त हुए डॉ. सोमप्रकाश ठकराल

सिरसा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट डिंग में कार्यरत डॉ. सोमप्रकाश ठकराल 30 वर्षों की सेवाओं के उपरांत सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।डाइट प्रभारी सुरेंद्र सिंह नूनिया ने कहा कि डॉ. ठकराल का व्यक्तित्व सरल, विनम्र एवं प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने अपनी कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासनप्रियता एवं समर्पण भाव से संस्थान की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके अनुभव, नेतृत्व क्षमता एवं प्रभावी शिक्षण शैली से अनेक शिक्षक एवं विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं। लगभग तीन दशकों के सेवाकाल में उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान देते हुए विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं प्रशिक्षणार्थियों का निरंतर मार्गदर्शन किया।

फतेहाबाद। राज्य स्तरीय एनएसएस आवासीय शिविर हेतु रवाना होते स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

राज्य स्तरीय एनएसएस आवासीय शिविर के लिए फतेहाबाद का दल हुआ रवाना

12 इकाइयों से चयनित 50 स्वयंसेवक लेंगे भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय सात दिवसीय आवासीय शिविर के लिए फतेहाबाद जिले का दल उत्साहपूर्वक रवाना हुआ। यह शिविर दिनांक 31 मई से 6 जून तक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जाखोली अड्डा में आयोजित किया जाएगा। जिला एनएसएस समन्वयक रोहताश कड़वासरा ने बताया कि जिले की 12 एनएसएस इकाइयों से चयनित 50 स्वयंसेवक एवं 3 कार्यक्रम अधिकारी सुखविन्द्र कौर, गीता रानी व जसमेर सिंह इस राज्य स्तरीय शिविर में भाग लेंगे। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, सांस्कृतिक गतिविधियों तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

राज्य स्तरीय शिविर में भाग लेने वाला यह दल फतेहाबाद जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगा तथा एनएसएस के आदर्श वाक्य 'नॉट मी बट यू' को सार्थक रूप में चरितार्थ करेगा। रवानगी समारोह के अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई ने हरी झंडी दिखाकर इस दल को रवाना किया। उन्होंने कहा कि एनएसएस युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व, संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकारों का विकास करने वाला सशक्त मंच है।

श्रीमद्भागवत कथा से पूर्व निकाली भव्य कलश यात्रा

सिरसा। स्वर्णकार समाज की ओर से पुरुषोतम मास में बेगू रोड स्थित सोनी धर्मशाला में आयोजित की जा रही संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस संबंध में श्रद्धालु संजय सोनी ने बताया कि कलश यात्रा दुर्गा मंदिर प्रभात पैलेस से शुरू हुई। कलश यात्रा में काफी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए। विभिन्न बाजारों का भ्रमण करते हुए कलश यात्रा सोनी धर्मशाला में कथास्थल पर आकर संपन्न हुई। हरिद्वार से आई कथावाचिका डॉ. राधिका ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और समाजधर्म का ज्ञान देती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने दिव्य देह का तेज इस महापुराण में प्रवेश करा दिया था, इसलिए इसे भगवान का शरीर माना जाता है तथा इसे सुनने मात्र से तमाम तरह के कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। कथाव्यास ने कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अत्याचार बढ़ता है, तब परमात्मा स्वयं आकर लीलाएं करते हैं। उन्होंने बताया कि भागवत पुराण को सुनने वाले भक्त मोक्ष प्राप्त करते हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

जागरूकता | नागरिक अस्पताल में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कार्यक्रम

नशा न केवल स्वास्थ्य बल्कि शिक्षा एवं करियर पर भी डालता है नकारात्मक असर : गविंद्र कौर

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

नागरिक अस्पताल फतेहाबाद में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोरोग विशेषज्ञ एवं प्रभारी नशामुक्ति केंद्र डॉ. गिरीश कुमार द्वारा की गई। कार्यक्रम के दौरान नोडल अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार ने शिविर में उपस्थित आमजन तथा चिकित्सा स्टाफ के सदस्यों से तंबाकू एवं नशामुक्त जीवन अपनाने की अपील की।

फतेहाबाद। नागरिक अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नशा न करने की शपथ लेते हुए उपस्थित लोग। फोटो : हरिभूमि

इसके साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को जीवन में कभी नशा न करने की शपथ भी ग्रहण करवाई। शिविर में मौजूद मनोवैज्ञानिक गविन्द्र कौर ने सिगरेट और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले गंभीर शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि शिक्षा और करियर पर भी बेहद नकारात्मक असर डालता है। उन्होंने सभी से नशे से दूर रहने और समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। इस अवसर पर निशा रानी द्वारा भी लोगों को नशा व तंबाकू युक्त पदार्थों के सेवन से बचने के लिए जागरूक किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा उपस्थित जनसमूह को स्वास्थ्य हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, ताकि आवश्यकता पडऩे पर कोई भी नागरिक इस निःशुल्क परामर्श सेवा का लाभ उठा सके।